කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි දෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2016

2022 දෙසැම්බර් - 2023 මාර්තු

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී (පැරණි නිර්දේශය)

නූතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය සහ නූතන හින්දී ගද්‍ය සාහිත්‍ය ග්‍රන්ථ සහ උද්ධෘත (නියමිත හා අනියමිත) HIND – E 2025

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 07 යි. කාලය : පැය 03 යි.

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य हैं।

---

01. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) "शिकायत हुई तो लोग कहेंगे, नाम बड़े और दर्शन थोड़े। फिर वह मुझसे दहेज में एक पाई नहीं लेते, तो मेरा भी यह कर्तव्य है कि मेहमानों के आदर–सत्कार में कोई बात न उठा रखूँ।"

(ख) "ऐं क्या यह मेरी तलाश में है? क्यों न बैल छोड़कर भाग चलूँ? तब तो और भी पकड़ जाऊँगा। क्या मुझसे भाग जाएगा? फिर ऐसा बैल इस ज़िंदगी में क्या फिर नसीब हो सकता है? नहीं नहीं वह मेरी तलाश में है।"

02. आधुनिक हिंदी साहित्य के युग विभाजन पर प्रकाश डालिए। (20 अंक)

03. हिंदी साहित्य के कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक सेवाओं का परिचय दीजिए। (20 अंक)

04. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

जीवन में बड़ों का आदर करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। जब हम बड़ों का आदर करते हैं तब वास्तव में हम उनका आशीर्वाद पाते हैं। साथ–ही जीवन में आनेवाली बड़ी–बड़ी समस्याओं को भी हम हल कर सकते हैं। जब हम किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए जा रहे हैं, तब हमें बड़ों का आशीर्वाद लेना बहुत ही ज़रूरी है। हम बड़ों का आदर सत्कार करें तो जीवन को सही ढंग से जी पाते हैं।

05. **निर्मला** उपन्यास के पठित अंश को सरल हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

06. **समुद्रगुप्त पराक्रमांक** नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए। (20 अंक)

07. पठित एक **रेखाचित्र** के कथानक को अपनी हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

****